International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 7 Issue 12, December 2017,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

"जयपुर जिले के चाकसू तहसील में फसल प्रतिरूप और समस्याऐ" (2015)

"Changing Nature of Crop Pattern and Problems in Chaksu Tehsil of Jaipur District" (2015)

डॉ. कुलदीप शर्मा (सहआचार्य)
राजकीय गौरी देवी महिला महाविधालय, अलवर
वरुण कुमार जैमन (शोधार्थी)
राजस्थान विश्वविधालय, जयपुर

सार (Abstract)

आज बढ़ती जनसंख्या, शिक्षा, कौशल, रोजगार की तलाश, भोजन व आवास आदि की पूर्ति के लिए भौतिक व प्राकृतिक वातावरण में अनेक प्रकार के परिवर्तन किये जा रहे है, जिसका प्रभाव कृषि पर भी पड़ता दिखाई दे रहा हैं। आज के समय मे मानव शैक्षिक व तकनीकी विकास पर अधिक बल दे रहा हैं, जिससे कृषि के स्वरूप, भूमि उपयोग, फसल वितरण एवं उत्पादन में परिवर्तन भली-भाँति देखा गया हैं। आज बढ़ती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कृषि के अन्तर्गत गहन-कृषि, व्यापारिक-कृषि, मिश्रित-कृषि व फलोत्पादन-कृषि को प्रोत्साहित किया जा रहा हैं। इस शोध में अध्ययन क्षेत्र चाकसू तहसील का सन् 2015 में कृषि के स्वरूप का विस्तृत अध्ययन किया गया हैं। अध्ययन क्षेत्र चाकसू तहसील मे फसल प्रतिरूप का अध्ययन किया जाए तो स्पष्ट होता है कि 2015 में रबी फसल के अन्तर्गत गेहूँ का क्षेत्र 6158 हेक्टेयर व उत्पादन 17979 मैट्रिक टन पाया गया। इसी प्रकार खरीफ फसल के अध्धयन से स्पष्ट होता है कि 2015 मे बाजरा का क्षेत्र 17196 हेक्टेयर व उत्पादन 8628 मैट्रिक टन पाया गया।

सूचक शब्द : कृषि, चाकसू तहसील, फसल वितरण एवं उत्पादन ।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 7 Issue 12, December 2017,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

1. परिचय :-

राजस्थान में हो रहे कृषि, भूमि उपयोग व फसल प्रतिरूप में हो रहे अनेक परिवर्तनों से जयपुर जिले के चाकसू तहसील की कृषि भी अछूती नहीं है। यहाँ पर उत्पादन बढ़ाने व जनसंख्या वृद्धि के कारण आवास व अन्य मानवीय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये भूमि उपयोग में परिवर्तन करने के साथ ही मानव की आवश्यकता की पूर्ति, कृषि भूमि की उत्पादकता व क्षमता में वृद्धि के लिये फसल प्रतिरूपों को विभिन्न विधियों व तकनीकों के द्वारा उपयोग में लाया गया।

"कृषि" का अभिप्राय 'कर्षण' या 'खीचने' से है, जिसमें हल चलाने या खेती करने की विशिष्ट क्रिया सम्मिलित है। कृषि का अंग्रेजी पर्याय "Agriculture" लेटिन भाषा के दो शब्दों "Ager" तथा "Culture" से मिलकर बना है। "Culture" (संस्कृति) शब्द मानव जीवन की एक पद्धति या जीवन जीने की एक विशेष कला का धोतक है। इस प्रकार कृषि का सामान्य अर्थ "भूमि को जोतकर फसल पैदा करना" है।

जिम्मेरमैन ने "कृषि के अंतर्गत पशुपालन, शस्योत्पादन, वृक्षारोपण, सिंचाई, मत्स्य पालन व अन्य जलीय जीव पालन के अनेक कार्यों को सम्मिलित किया है।" इस प्रकार कृषि अक प्राथमिक आर्थिक क्रिया है, जिसका पर्यावरण से गहरा सम्बन्ध है ।

फसल प्रतिरूप – फसल प्रतिरूप से आशय एक निश्चित समय में फसलों के अंतर्गत भूमि का क्षेत्र के अनुपात से है जबकि फसल प्रतिरूप में परिवर्तन का आशय विभिन्न फसलों के अंतर्गत क्षेत्र में परिवर्तन से है।

2. अध्ययन क्षेत्र :-

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 7 Issue 12, December 2017,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

अध्ययन क्षेत्र चाकसू तहसील जयपुर जिले की 16 तहसीलों में से एक है। यह जयपुर तहसील के ठीक दक्षिण-पूर्व में स्थित है। इसका अक्षांशीय विस्तार $26^0 36'$ से $26^0 60'$ उत्तरी अक्षांश एवं देशान्तर विस्तार $75^0 57'$ से $75^0 95'$ पूर्वी देशान्तर है । अध्ययन क्षेत्र चारों ओर समान रूप से फैला हुआ हैं। इसका कुल क्षेत्रफल लगभग 812 वर्ग किलोमीटर है ।

3. अध्ययन का उद्देश्य :-

- ❖ अध्ययन क्षेत्र की फसलों के स्थानिक का प्रतिरूपों वितरण अध्ययन करके उनकी वर्तमान दशा तथा भावी संभावनाओं का आंकलन करते हुए उनकी समस्याओं के समाधान के उपाय तलाश करना।
- ❖ अध्ययन क्षेत्र में कृषि के अंतर्गत हो रहे तीव्रगामी परिवर्तनों और उनसे भविष्य मे आने वाली समस्याओं के प्रति लोगों को जागरूक करना।

4. परिकल्पनाऐ :-

- ➢ बढ़ती जनसंख्या व नगरीकरण से भूमि उपयोग में निरंतर परिवर्तन हो रहा है, जिससे फसलों का प्रतिरूप भी बदल रहा हैं।
- ➢ तकनीकी व शैक्षिक विकास से कृषि व फसल प्रतिरूप पर सिंचाई के प्रभाव में परिवर्तन परिलक्षित हो रहा है।

5. विवरण :- फसल प्रतिरूप

5.1 अध्ययन क्षेत्र रबी फसल प्रतिरूप –

सारणी संख्या 5.1 एवं आरेख 5.1 में अध्ययन क्षेत्र चाकसू तहसील में 2015 रबी की मुख्य फसलों का विवरण दर्शाया गया हैं। जिनकी सहायता से अध्ययन क्षेत्र में फसलों के क्षेत्र व उत्पादन को समझा जा सकता है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 7 Issue 12, December 2017,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

सारणी संख्या 5.1 (2015)

चाकसू तहसील : रबी फसल क्षेत्र व उत्पादन

फसल	2015	
	क्षेत्र (हेक्टेयर)	उत्पादन (मैट्रिक टन)
गेहूँ	5116	17900
राई व सरसों	11247	14508
चना	3983	12122
जौ	1029	3702

स्त्रोत – जिला सांख्यिकीय रूपरेखा, जयपुर

सारणी संख्या 5.1 एवं आरेख 5.1 में अध्ययन क्षेत्र चाकसू तहसील में सन् 2015 में रबी फसलों के अंतर्गत गेहूँ फसल 5116 हेक्टेयर पर बोई गई । इसी प्रकार अन्य फसलों के अंतर्गत 2015 में राई व सरसों फसल 11247 हेक्टेयर, चना 3983 हेक्टेयर व जौ की फसल 1029 हेक्टेयर में बोई गई ।

इसी प्रकार यदि रबी की मुख्य फसलों के अंतर्गत उत्पादन वितरण का अध्ययन किया जाये तो ज्ञात होता है कि 2015 में गेहूँ का उत्पादन 17900 मैट्रिक टन, राई व सरसों का उत्पादन 14508 मैट्रिक टन, चना का उत्पादन 12122 मैट्रिक टन व जौ का उत्पादन 3702 मैट्रिक टन हुआ।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 7 Issue 12, December 2017,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

आरेख 5.1 (2015)

चाकसू तहसील : रबी फसल क्षेत्र व उत्पादन

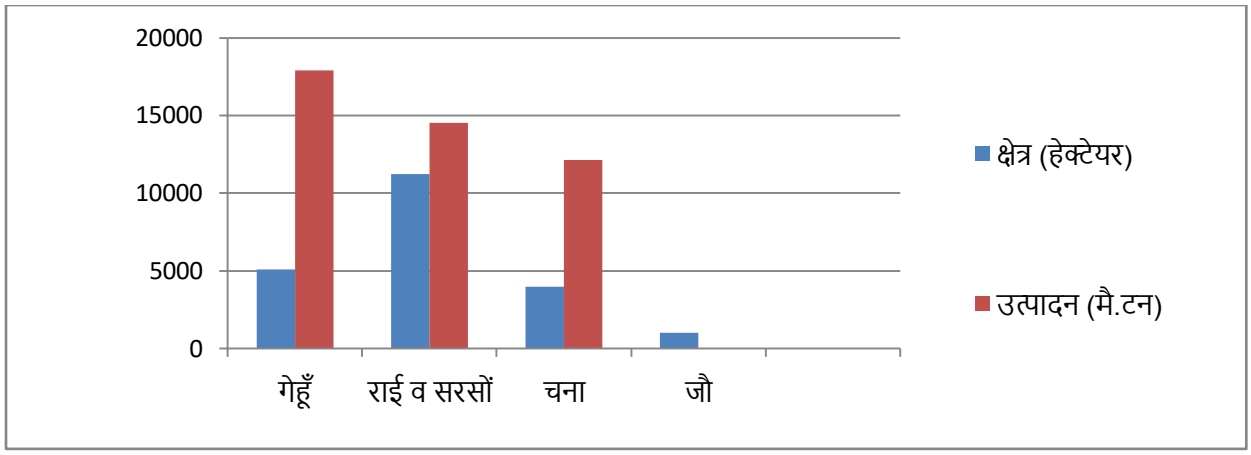

5.2 अध्ययन क्षेत्र खरीफ फसल प्रतिरूप –

सारणी संख्या 5.2 एवं आरेख 5.2 में अध्ययन क्षेत्र चाकसू तहसील में 2015 खरीफ की मुख्य फसलों का विवरण दर्शाया गया हैं। जिनकी सहायता से अध्ययन क्षेत्र में फसलों के क्षेत्र व उत्पादन को समझा जा सकता है।

सारणी संख्या 5.2 (2015)

चाकसू तहसील : खरीफ फसल क्षेत्र व उत्पादन

फसल	2015	
	क्षेत्र (हेक्टेयर)	उत्पादन (मै. टन)
बाजरा	9480	4740
ज्वार	2756	1378
मूँगफली	1711	1711
तिल	793	396
मक्का	38	58

स्त्रोत – जिला सांख्यिकीय रूपरेखा,जयपुर

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 7 Issue 12, December 2017,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

सारणी संख्या 5.2 के अनुसार सन् 2015 में खरीफ फसलों के अंतर्गत बाजरा फसल सर्वाधिक 9480 हेक्टेयर पर बोई गई। इसी प्रकार अन्य फसलों के अंतर्गत 2015 में ज्वार 2756 हेक्टेयर, मूँगफली 1711 हेक्टेयर, तिल 793 हेक्टेयर व मक्का 38 हेक्टेयर में बोई गई।

इसी प्रकार यदि खरीफ की मुख्य फसलों के अंतर्गत उत्पादन वितरण का अध्ययन किया जाये तो ज्ञात होता है कि 2015 में बाजरा का उत्पादन 4740 मैट्रिक टन, ज्वार का उत्पादन 1378 मैट्रिक टन, मूँगफली का उत्पादन 1711 मैट्रिक टन, तिल का उत्पादन 396 मैट्रिक टन व मक्का का उत्पादन मैट्रिक टन हुआ।

आरेख 5.2 (2015)
चाकसू तहसील : खरीफ फसल क्षेत्र व उत्पादन

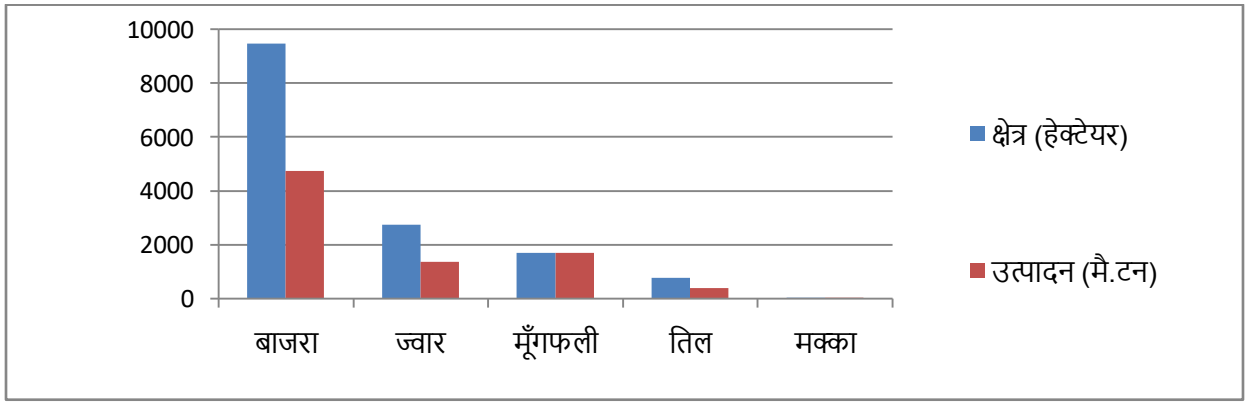

7. अध्ययन क्षेत्र की प्रमुख समस्याएँ –

अध्ययन क्षेत्र चाकसू तहसील का अध्ययन करते हुए इस क्षेत्र की अनेक समस्याओं की जानकारी प्राप्त हुई है, जो अध्ययन क्षेत्र में वर्तमान समय में स्थायी तौर पर पायी जाती है, जो निम्न हैं-

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 7 Issue 12, December 2017,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

- अध्ययन क्षेत्र में शिक्षा की कमी सबसे बड़ी समस्या है, जिससे अधिकांश लोग संसाधनो के प्रति जागरूक नहीं हो पाये हैं।
- अध्ययन क्षेत्र की जयपुर शहर से निकटता के कारण ग्रामीण क्षेत्रों से लोग स्थानान्तरित यहाँ आकर बसते जा रहे हैं, जिससे भूमि उपयोग पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा हैं।
- अध्ययन क्षेत्र में बढ़ती जनसंख्या की आवश्यकता की पूर्ति के लिए प्राकृतिक संसाधनो का दोहन हो रहा हैं।

8. सुझाव –

- ✓ अध्ययन क्षेत्र में शिक्षा का प्रसार किया जाए, जिससे कृषक समाज को कृषि को लाभ और हानि पहुचाने वाले कारकों के बारे मे जानकारी दी जा सके।
- ✓ अध्ययन क्षेत्र में प्रति वर्ष गिरते जलस्तर की समस्या से निजात पाने हेतु नहरी सिंचाई की व्यवस्था के साथ ही जल संरक्षण के उपाय किए जाए।
- ✓ अध्ययन क्षेत्र में कृषि की वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर बंजर व ऊसर भूमि को कृषि योग्य बनाने का प्रयास किया जाना चाहिये।
- ✓ कारखानों की स्थापना आवासीय व कृषीय क्षेत्रो से दूर की जानी चाहिये व इनसे निकलने वाले अवशिष्टों के निस्तारण की समुचित व्यवस्था होनी चाहिये।
- ✓ अध्ययन क्षेत्र में कम सिंचाई की जरूरत व अधिक उर्वरता वाली फसलों को अधिक क्षेत्र में बोया जाए।
- ✓ वन विकास पर अधिक ज़ोर दिया जाए, क्योकि वन विकास से मृदा अपरदन, पर्यावरण प्रदूषण, वर्षा की कमी आदि समस्याओं से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिल सकता हैं।

9. संदर्भ ग्रंथ –

❖ आर्थिक एवं सांख्यिकीय निदेशालय, जयपुर

- कृषि अनुसंधान विभाग, जयपुर
- Husain, M, Patterns of Crop Concentration in Uttar Pradesh, Geographical Review of India, 32, (1970)
- Khandewal and Kumawat, S.R. Impact of Agricultural pesticides in semi-arid Agro Ecosystem - A Geographical study of Jaipur District, (2005)
- Moudhe, Bashant Jain, Agriculture Productivity in Rajasthan, Rajasthan Hindi Grauth Academy, Jaipur.
- Husain,Majid, Agricultural Geography, Rawat-Publication, Jaipur and New Delhi,(2002)
- Khandewal and Kumawat,S.R., Impact on Agricultural pesticides in semi-arid Agro Ecosystem- A Geographical study of Jaipur District, (2005)
- Chouhan,T.S., Agricultural Geography-A Case study of Rajasthan, Academic Publications, jaipur.(1987)